Chapter 01
पुष्पीय पादपों में लैंगिक जनन
(Sexual Reproduction in Flowering Plants)

TOPIC WISE QUESTIONS

पुष्प – आवृतबीजियों का एक आकर्षक अंग
(FLOWER – A FASCINATING ORGAN OF ANGIOSPERMS)

Q.1 *सरसों* एक आवृत बीजी पादप है क्योंकि इस में पाया जाता है
(1) बीज (2) परागकण
(3) संवहन ऊत्तक (4) फल

Q.2 पुष्प का अनिवार्य चक्र है –
(1) बाह्य दलपुन्ज तथा दलपुन्ज
(2) दलपुन्ज व जायांग
(3) पुमंग व जायांग
(4) उपरोक्त सभी

निषेचन पूर्व – संरचना तथा घटनायें
(PRE- FERTILISATION : STRUCTURES AND EVENTS)

Q.3 निम्न चित्र गुड़हल के पुष्प में स्त्रीकेसर को दर्षा रहा है। क्रमषः A, B, C एवं D को पहचानिये।

(1) नाभिका, अण्डप, अण्डाषय तथा पुष्पासन
(2) वर्तिकाग्र, वर्तिका, अण्डाषय तथा पुष्पासन
(3) पराग कोष, वर्तिका, अण्डाषय तथा अपरा
(4) वर्तिकाग्र, वर्तिका, गाइनोफोर तथा एन्थोपोर

Q.4 PEC (प्राथमिक भ्रूणपोष कोशिका) का निर्माण होता है
(1) ट्रिपल फ्यूजन से पहले
(2) त्रिक संलयन के बाद
(3) युग्मक संलयन के समय
(4) सदैव कायम रहना

Q.5 निषेचन से ठीक पहले एंजियोस्पर्म के बीजांड में द्विगुणित संरचना होती है
(1) पराग नलिका (2) द्वितीयक केन्द्रक
(3) सहाय कोषिका (4) प्रतिव्यासंत

Q.6 एन्जियोस्पर्म के युग्मक किस प्रकार के होते हैं –
(1) कशाभिकीय (2) चल
(3) अचल (4) इनमें से कोई नहीं

Q.7 पुष्पो की किस प्रकार की कोषिकाएँ अर्द्धसूत्री विभाजन द्वारा बनती है?
(1) लघुबीजाणु मातृ कोषिका एवं गुरूबीजाणु मातृ कोषिका
(2) बीजाण्ड एवं पुंकेसर
(3) टेपीटल कोषिकाएँ
(4) अपरा कोषिकाएँ

Q.8 कायिक कोशिका है :–
(1) छोटी, अनियमित आकार की बड़ा केन्द्रक युक्त है
(2) बड़ी, अनियमित आकार के बड़ा केन्द्रक
(3) बड़े, तर्कु के आकार के केन्द्रक
(4) छोटा, धुरी के आकार के केन्द्रक युक्त

Q.9 प्रत्येक बीजाणुजन ऊतक एक सक्षम पराग मातृ कोशिका होती है। बीजाणुजन कोशिका में किस प्रकार के विभाजन होते हैं–
(1) अर्द्धसूत्री विभाजन (2) समसूत्री विभाजन
(3) एंडोमिटोसिस (4) असूत्री विभाजन

Q.10 लगभग 60% आवृत्तबीजी पौधों में परागकण किस अवस्था में संगलित होते हैं-
(1) एक कोशिकीय अवस्था
(2) तीन केन्द्रकीय

KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

(3) दो कोषिकीय
(4) तीन कोशिकीय अवस्था

Q.11 पुष्पों के प्रकार जो परागणकों की अनुपस्थिति में भी सदैव बीज उत्पन्न करते हैं :–
(1) उन्मील पुष्प (2) अनुन्मील पुष्प
(3) उभयलिंगी पुष्प (4) एकलिंगी पुष्प

Q.12 परागकण में उपस्थित छोटी कोशिका जो तर्कुरूप तथा सघन जीव द्रव्य वाली होती है-
(1) कायिक कोशिका (2) जनन कोशिका
(3) नलिका कोशिका (4) इनमें से कोई नहीं

Q.13 एक प्रारूपिक आवृतबीजी परागकोष _____ तथा_____ होता है–
(1) द्विपालित, चतुर्बीजाणुधानिक
(2) द्विपालित, एकबीजाणुधानिक
(3) द्विपालित, द्विबीजाणुधानिक
(4) चतु:पालित, एकबीजाणुधानिक

Q.14 परागकोष की सबसे भीतरी भित्ति परत
(1) कार्य में पोषक होती है
(2) परागकोष के स्फुटन में सहायता करती है
(3) अगुणित तथा कार्य में सुरक्षात्मक होती है
(4) लघुबीजाणुओं का निर्माण करती है

Q.15 पराग मातृ कोषिका से लघुबीजाणओं के निर्माण की क्रिया कहलाती है–
(1) गुरूबीजाणुजनन (2) लघुबीजाणुजनन
(3) गुरूयुग्मकजनन (4) लघुयुग्मकजनन

Q.16 पराग कण किसको निरूपित करता है ?
(1) नर युग्मक (2) नर युग्मकोद्भिद
(3) लघुबीजाणुपर्ण (4) लघुबीजाणुधानी

Q.17 सबसे प्रतिरोधी कार्बनिक पदार्थ जो पराग भित्ति की सबसे बाहरी परत का निर्माण करता है, निम्न में से है–
(1) पेक्टिन (2) सेलुलोज
(3) स्पोरोपोलेनिन (4) लिग्निन

Q.18 किस प्रकार का परागण आनुवंशिक रूप से विभिन्न प्रकार के परागकणों को वर्तिकाग्र पर लाता है:–
(1) स्वयुग्मन
(2) पर निषेचन
(3) सजात पुष्पी परागण
(4) अनुल्भीय पुष्पन

Q.19 पराग की पतली तथा अविच्छिन्न भित्ति परत है–
(1) बाह्यचोल (2) अन्तःचोल
(3) जनन छिद्र (4) अन्तस्थीसियम

Q.20 परिपक्व पराग कण की द्विकोषिकीय अवस्था बनी होती है–
(1) कायिक कोषिका, जनन कोषिका से
(2) कायिक कोषिका, एक नर युग्मक से
(3) दो नर युग्मकों से
(4) जनन कोषिका, एक नर युग्मक से

Q.21 40% से कम आवृतबीजियों में पराग कण संगलित होते है–
(1) चार कोषिकीय अवस्था पर
(2) तीन कोषिकीय अवस्था पर
(3) द्वि कोषिकीय अवस्था पर
(4) पाँच कोषिकीय अवस्था पर

Q.22 पराग ऐलर्जी किसके परागों द्वारा उत्पन्न की जाती है–
(1) गुलाब (2) *क्लीमैटिस*
(3) *पार्थिनियम* (4) सूर्यमुखी

Q.23 पंखदार वर्तिकाग्र और बहुमुखी परागकोश किसकी विशेषता है :–
(1) वायु परागित पुष्प (2) कीट परागित पुष्प
(3) जल परागित पुष्प (4) चमगादड़ परागित पुष्प

Q.24 जनन संरचना का कौनसा भाग एंजाइम एवं हॉर्मोन दोनो उत्पन्न करता है –
(1) आर्किस्पोरियम (2) मध्यभित्ति
(3) टेपीटम (4) अन्तःथीसियम

Q.25 पराग मातृ कोशिका से …A… के माध्यम से सूक्ष्मबीजाणु बनने की प्रक्रिया को…B…कहा जाता है३सूक्ष्मबीजाणु …C… में व्यवस्थित होते हैं३.जैसे–जैसे परागकोष परिपक्व होते हैं और निर्जलित होते हैं, सूक्ष्मबीजाणु …D… में विकसित होते हैं।
A से D तक रिक्त स्थान भरें।
(1) A–पराग कण, B–माइक्रोस्पोर टेट्राड,C –माइक्रोस्पोरोजेनेसिस, D–मियोसिस
(2) A –माइक्रोस्पोर टेट्राड, B –माइक्रोस्पोरोजेनेसिस, C –मियोसिस, D –पराग कण
(3) A –माइक्रोस्पोरोजेनेसिस, B –माइक्रोस्पोर टेट्राड, C –पराग कण, D –मियोसिस

KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform ©KHAN SIR

(4) A –मियोसिस, B –माइक्रोस्पोरोजेनेसिस, C –माइक्रोस्पोर टेट्राड, D –पराग कण

Q.26 पौधों द्वारा परागणकर्ता को दिए जाने वाले सामान्य पुष्प पुरस्कार हैं :–
(1) मकरंद और पराग
(2) पराग और एंजाइम
(2) हार्मोन और मकरंद
(4) उपरोक्त सभी

Q.27 बहुगुणित (पोलीप्लोइड) प्रकार का ऊत्तक आवृत्तबीजी में कौनसा है –
(1) परिभ्रूणपोष (2) भ्रूण
(3) टेपीटम (4) प्लेसेन्टा

Q.28 निम्नलिखित में से कौन सा कथन सभी पुष्पी पादपों के लिए लागू होता है?
(1) एकनलीकीय पराग नलिका
(2) अचल और आकारिकीय रूप से भिन्न युग्मक
(3) परागण की उपस्थिति
(4) परागण के बाद जनन कोशिका का विभाजन

Q.29 परागकोष सामान्यतया बने होते हैं –
(1) एकबीजाणुधानी के (2) दो बीजाणुधानी के
(3) तीन बीजाणुधानी के (4) चार बीजाणुधानी के

Q.30 पपीते में, नर तथा मादा पुष्प विभिन्न पौधों पर उपस्थित होते हैं। यह अनुमति देता है–
(1) स्वयुग्मन
(2) सजातपुष्पी परागण
(3) स्वयुग्मन और सजातपुष्पी परागण दोनों
(4) परनिषेचन

Q.31 परागकणों की दो प्रमुख परतें हैं जो हैं … A….और B है यहाँ A और B से तात्पर्य है
(1) A–इंटाइन, B–प्रोटीन कोट
(2) A –एक्साइन, B–इंटाइन
(3) A –स्पोरोपोलेनिन, B–इंटीन
(4) A –स्पोरोपोलेनिन, B–एक्साइन

Q.32 निम्नलिखित में से कौन सा परागकोष से संबंधित नहीं है?
(1) टेपीटम (2) अन्तःस्थीसियम
(3) बीजाण्डकाय (4) बीजाणुजन ऊतक

Q.33 गेहूं के 100 बीज पैदा करने के लिए कितने अर्धसूत्रीविभाजन की आवश्यकता होती है?
(1) 125 (2) 200 (3) 400 (4) 250

Q.34 स्पोरोपोलेनिन किसमें पाया जाता हैः–
(1) बाह्यचोल में (2) अन्तः चोल में
(3) कोशिकाद्रव्य में (4) केन्द्रक में

Q.35 आवृतबीजी पादपों का लघुबीजाणुपर्ण कहलाता हैः–
(1) पुमंग (2) परागकोष (3) पुतन्तु (4) पुंकेसर

Q.36 अन्तः स्थीसियम का (परागकोष में) प्रमुख कार्य है :–
(1) यांत्रिक (2) पोषक
(3) स्फुटन (4) उपरोक्त कोई नहीं

Q.37 स्पोरोपोलेनिन गैर–अपघटनीय है क्योंकि
(1) यह तीव्र अम्लों का सामना कर सकता है
(2) यह बहुत उच्च तापमान पर प्रतिरोधी है
(3) कोई भी एंजाइम इसे अपघटित नहीं करता
(4) उपरोक्त सभी

Q.38 अध्यावरणीय गुरूबीजाणुधानी है–
(1) बीजाण्ड (2) परागकोष
(3) पराग कण (4) भ्रूणकोष

Q.39 बीजाण्ड में उपस्थित पोषक ऊतक कहलाता है–
(1) बीजाण्डकाय (2) बीजाण्डवृत्त
(3) भ्रूण (4) अध्यावरण

Q.40 बीजाण्ड में भ्रूणकोष की संख्या हैं सामान्यतः–
(1) एक (2) कई (3) चार (4) तीन

Q.41 आवृतबीजीयों में त्रिसंलयन की भूमिका क्या उत्पन्न करने में है–
(1) बीजपत्र (2) PEN
(3) अन्तःफल भित्ति (4) बीज

Q.42 बीजाण्डकाय तथा मादा युग्मकोद्भिद का गुणिता स्तर क्रमषः होता है–
(1) n, n (2) n, 2n (3) 2n, n (4) 2n, 2n

Q.43 एक परिपक्व भ्रूणकोष में केन्द्रकों की संख्या होती है–
(1) आठ (2) सात (3) छः (4) चार

Q.44 परिपक्व भ्रूणकोष की सबसे बड़ी कोषिका है–
(1) प्रतिव्यासंत कोषिकायें
(2) सहायक कोषिकायें
(3) केन्द्रीय कोषिका

KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

(4) अण्ड कोषिका

Q.45 वह संरचना कौन सी है, जो सहाय कोषिका में पराग नलिका को निर्देषित करती है?

(1) प्रतिव्यासंत कोषिकायें (2) जनन छिद्र
(3) ऐरिल (4) तन्तुरूपी समुच्चय

Q.46 निम्न में से कौन मादा युग्मकोद्भिद को निरूपित करता है –

(1) भ्रूण (2) भ्रूणकोष
(3) भ्रूणपोष (4) स्त्रीकेसर

Q.47 परागकोष में लघुबीजाणुजनन के संबंध में गलत कथन का चयन करें :–

(1) बड़ी संख्या में लघुबीजाणु मातृ कोषिका एक परागकोष में विभेदित हो जाती है।
(2) प्रत्येक लघुबीजाणुजनन में एक अर्धसूत्रीविभाजन और दो समसूत्रण शामिल हैं
(3) लघुबीजाणु चतुष्क चतुष्फलकीय या समद्विपार्श्व हो सकते हैं
(4) यह टेपीटम और मध्य परतों का उपभोग करता है

Q.48 एन्जियोस्पर्म का भ्रूणकोष भोजन किससे प्राप्त करता है–

(1) बीजाणुजन ऊत्तक से (2) टेपीटम से
(3) ऐपीथिसीयम से (4) बीजाण्डकाय से

Q.49 आवृतबीजी पौधों में 3–कोशिका अवस्था प्राप्त करने के लिए, पराग कण की कौन सी कोशिका विभाजित होकर दो नर युग्मक बनाती है?

(1) कायिक कोशिका
(2) जनन कोशिका
(3) लघुबीजाणु मातृ कोशिका
(4) उपरोक्त में से कोई नहीं

Q.50 गुरूबीजाणुपर्ण कहलाता है:–

(1) जायांग (2) अण्डप
(3) अण्डाशय (4) वर्तिकाग्र

Q.51 परिपक्व परागकोष में कितने परागप्रकोष्ठ उपस्थित होते हैं?

(1) 4 (2) 1 (3) 3 (4) 2

Q.52 बाजार में पराग की गोलियाँ उपलब्ध हैं

(1) इन विट्रो फर्टिलाइजेशन
(2) प्रजनन कार्यक्रम
(3) पूरक भोजन
(4) पूर्व–स्थिति संरक्षण

Q.53 निभागीय ध्रुव मौजूद है

(1) बीजाण्डद्वार के विपरीत
(2) अध्यावरण के मूल में
(3) बीजाण्डकाय के विपरीत
(4) भ्रूणकोष के पास

Q.54 एक एंजियोस्पर्मिक पौधे की पत्ती कोशिकाओं में 24 गुणसूत्र होते हैं। सहाय कोषिका, परागकण, बीजांडकाय तथा भ्रूणपोष में उपस्थित गुणसूत्रों की संख्या क्रमशः होगी :-

(1) 12, 12, 12, 72 (2) 8, 8, 12, 36
(3) 12, 12, 24, 36 (4) 12, 12, 12, 36

Q.55 निषेचन के बाद, बीज विकसित होता है

(1) बीजांड से (2) अंडाशय से
(3) भ्रूण से (4) भ्रूणपोष से

Q.56 एन्जियोस्पर्म की परागकोष की अन्तःथीसियम की विशेषता है

(1) अरीय रूप से दीर्घित
(2) α सेलूलोज का स्थूलन
(3) आर्द्रता ग्राही
(4) उपरोक्त सभी

Q.57 परागनलिका की वृद्धि किस प्रकार की होती है :–

(1) पार्श्व वृद्धि (2) शीर्षस्थ वृद्धि
(3) मध्यम वृद्धि (4) कोई वृद्धि नहीं

Q.58 सबसे लंबी पराग नलिका पायी जाती है :

(1) गेहूँ में (2) मक्का में
(3) जौ में (4) चावल में

Q.59 सजातपुष्पी परागण है–

(1) आनुवंषिक दृष्टि से स्वयुमग्मकी
(2) पारिस्थितिक दृष्टि से स्वयुग्मकी
(3) आनुवंषिक दृष्टि से परनिषेची
(4) क्रियात्मक दृष्टि से स्वयुमग्मकी

Q.60 पॉलीगोनम प्रकार के भ्रूणकोष में प्राथमिक भ्रूणपोष केन्द्रक है :-

(1) अगुणित (2) द्विगुणित
(3) त्रिगुणित (4) चतुष्गुणित

Q.61 जल–परागित पुष्पों के उदाहरण है–

(1) *जोस्टेरा,* कमल, कुमुद
(2) कमल, वेलिसनेरिया, *हाइड्रिला*
(3) *पोटेमोजेटॉन, वेलिसनेरिया,* कमल
(4) *वेलिसनेरिया, हाइड्रिला, जोस्टेरा*

KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform © KHAN SIR

Q.62 निम्न में से कौन कीट परागित पुष्पों का अभिलाक्षणिक गुण नहीं है–
(1) सुगन्ध
(2) मकरंदकोष
(3) मलिन गंध
(4) पराग कणों पर श्लेष्मीय आवरण

Q.63 निम्नलिखित में से कौन से केन्द्रक दोहरे निषेचन में भाग लेते हैं?
(1) अंडा (2) द्वितीयक केन्द्रक
(3) दो नर केन्द्रक (4) उपरोक्त सभी

Q.64 एकलिंगाश्रयी अवस्था किसको रोकती है ?
(1) स्वयुग्मन (2) सजातपुष्पी परागण
(3) परनिषेचन (4) (1) तथा (2) दोनों

Q.65 परागकणों का परागकोष से उसी पौधे के दूसरे पुष्प के वर्तिकाग्र पर स्थानांतरण कहलाता है:-
(1) परनिषेचन
(2) स्वयुग्मन
(3) सजातपुष्पी परागण
(4) पर परागण

Q.66 अनुन्मील्य पुष्प परागणकर्ता की अनुपस्थिति में बीज बनाता है, क्यों ?
(1) क्योंकि इनमें गंध होती है।
(2) क्योंकि ये खुले रहते है।
(3) क्योंकि ये स्वयुग्मकी होते है।
(4) क्योंकि ये रंगीन होते है।

Q.67 उन्मीलय उस अवस्था को कहते हैं, जिसमें –
(1) पुष्प बन्द रहते है।
(2) पुष्प अनुपस्थित होते हैं
(3) पुष्प खिलते हैं।
(4) पुष्प संयुक्त दली होते हैं।

Q.68 जब किसी एक पुष्प के परागकण किसी दूसरे पौधे के पुष्प के वर्तिकाग्र पर पहुंचते हैं तो यह क्रिया कहलाती है
(1) सजात पुष्पी परागण
(2) परनिषेचन
(3) स्वयुग्मन
(4) समयुग्मन

Q.69 जब परागकोष व वर्तिकाग्र एक ही समय में परिपक्व होते हैं तो इसे कहते है –
(1) भिन्नकाल पक्वता (2) परपरागण
(3) परनिषेचन (4) समयुग्मन

Q.70 स्वपरागण का मतलब है –
(1) एक ही पुष्प में परागकणों का परागकोष से वर्तिकाग्र पर पहुंचना
(2) एक ही पादप में परागकणों का एक पुष्प से दूसरे पर स्थानान्तरण
(3) एक ही पुष्प में नर व मादा जनन अगों का पाया जाना
(4) परागकणों का अंकुरण

Q.71 स्त्रीकेसर का वह भाग जो परागकणों के लिए अवतरण मंच का कार्य करता है :-
(1) वर्तिकाग्र (2) वर्तिका
(3) बीजांड (4) अण्डाषय

Q.72 मक्का में परागण एक अच्छा उदाहरण है –
(1) वायु परागण का (2) पक्षी परागण का
(3) कीट परागण का (4) जल परागण का

Q.73 परागण की सबसे सामान्य विधि कौनसी है ?
(1) कीट परागण (2) वायु परागण
(3) जल परागण (4) इनमें में से कोई भी नहीं

Q.74 कीट परागित पौधों द्वारा उत्पन्न परागकण कैसे होते हैं
(1) चमकीले रंगीन तथा भारी मात्रा में
(2) शुष्क एवं चिकने
(3) चिपकने वाले तथा खुरदरे वर्तिकाग्र वाले
(4) हल्के, रंगीन, मकरन्द और सुगन्धयुक्त

Q.75 **कथन I:** सजातपुष्पी परागण और जेनोगैमी दोनों को परागण के लिए परागण एजेंटों की आवश्यकता होती है।
कथन II: सजातपुष्पी परागण और जेनोगैमी दोनों ही अन्तःप्रजनन अवनमन को कम करते हैं।
(1) कथन–I गलत है लेकिन II सही है।
(2) कथन I और II दोनों सही हैं।
(3) कथन–I सही है लेकिन II गलत है।
(4) दोनों कथन I और II गलत हैं।

Q.76 पराग नलिका के अंकुरण तथा इसकी वृद्धि के लिए कौनसा तत्व आवश्यक होता है –
(1) सुक्रोस (2) बोरोन
(3) कैल्शियम (4) पोटेशियम

KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN Sir

Q.77 निम्न में से कौन सा असत्य फल है?
(1) सेब (2) स्ट्राबेरी
(3) काजू (4) ये सभी

Q.78 एन्जियोस्पर्म के नर युग्मकोद्भिद में कितने और कैसे नर युग्मक बनते हैं –
(1) एक, बहुपक्ष्माभी (2) दो, द्विपक्ष्माभी
(3) दो, बहपक्ष्माभी (4) दो, अचल नरयुग्मक

Q.79 अपरा से उत्पन्न होने वाली गुरूबीजाणुधानी सामान्यतः क्या कहलाती है।
(1) बीजाण्ड (2) अण्डाशय
(3) गर्भाशयी गुहा (4) परागकोश

Q.80 आवृतबीजी पौधों में, कार्यात्मक गुरूबीजाणु आम तौर पर विकसित होता है:–
(1) बीजाण्डद्वारीय सिरे (2) निभागिय सिरे
(3) (1) व (2) दोनों (4) कोई नहीं

Q.81 आवृतबीजी पौधों के नर गैमेटोफाइट में कितनी कोशिकाएँ या केन्द्रक मौजूद होते हैं?
(1) एक (2) दो (3) तीन (4) अनेक

Q.82 विपुंसन :–
(1) मादा जनक में स्व–परागण को रोकता है
(2) मादा जनक में पर–परागण को रोकता है
(3) नर जनक में स्वपरागण को रोकता है
(4) नर जनक में पर–परागण को रोकता है

Q.83 तन्तुरूपी समुच्चय पाए जाते हैं
(1) प्रतिव्यासंत कोशिका (2) अंड कोशिका
(3) द्वितीयक केन्द्रक (4) सहाय कोषिकाएँ

द्विनिषेचन (DOUBLE FERTILISATION)

Q.84 द्विनिषेचन के द्विगुणित तथा त्रिगुणित उत्पाद क्रमषः हैं–
(1) युग्मनज तथा प्राथमिक भ्रूणपोष केन्द्रक
(2) भ्रूणपोष तथा बीजपत्र
(3) भ्रूण तथा परिभ्रूणपोष
(4) युग्मनज तथा स्कूटेलम

Q.85 दोहरा भ्रूणपोष पाया जाता है–
(1) गेहूँ में (2) चावल में
(3) मटर में (4) नारियल में

Q.86 एक प्रारूविक आवृत्तबीजी पौधे के परिपक्व भ्रूणकोश में होते हैं –
(1) 7 कोशिका - 8 केन्द्रक
(2) 9 कोशिका - 7 केन्द्रक
(3) 3 कोशिका - 3 केन्द्रक
(4) 2 कोशिका - 2 केन्द्रक

निषेचनोत्तर – संरचना एवं घटनायें (POST-FERTILISATION: STRUCTURES AND EVENTS)

Q.87 त्रिसंलयन के बाद केन्द्रीय कोषिका बन जाती है–
(1) PEC (2) PEN (3) भ्रूणपोष (4) भ्रूण

Q.88 परिभ्रूणपोष होता है –
(1) बीज में चिरस्थायी बीजाण्ड काय
(2) बीजाण्ड भित्ति
(3) बीजाण्ड आवरण
(4) चूषकांग के अवशेष

Q.89 एन्जियोस्पर्म में किसके बनते समय मुक्त केन्द्रकीय विभाजन होते हैं –
(1) युग्मक निर्माण के समय
(2) भ्रूणपोष निर्माण के समय
(3) भ्रूण निर्माण के समय
(4) पुष्प निर्माण के समय

Q.90 नर और मादा दोनों पुष्प एक ही पौधे पर मौजूद होते हैं जैसे
(1) पपीता (2) अरंडी (3) खजूर (4) उपरोक्त सभी

Q.91 बीज में बीजाण्डद्वार किसके प्रवेश में सहायता पहुंचाता है–
(1) नर युग्मक (2) पराग नलिका
(3) जल व वायु (4) उपरोक्त सभी

Q.92 मक्का उभलिंगाश्रयी पौधा है। यह
(1) ऑटोगैमी को रोकता है लेकिन जियटोनोगैमी को नहीं
(2) ऑटोगैमी और जियटोनोगैमी दोनों की अनुमति देता है
(3) ऑटोगैमी की अनुमति देता है लेकिन जियटोनोगैमी की नहीं
(4) ऑटोगैमी और जियटोनोगैमी दोनों को रोकता है

Q.93 सत्य फल सीधे किससे प्राप्त होता है
(1) तना (2) जड़
(3) अंडाशय (4) पत्ती

Q.94 ऐल्बुमिनहीन बीज किसके होते है?
(1) गेहूँ, मटर, मूंगफली
(2) अरण्डी, मटर, मूँगफली
(3) मटर, मूँगफली, सेम

KAI GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

(4) गेहूँ, अरण्डी, चावल

Q.95 एकबीजपत्रियों का एकमात्र बीजपत्र है–

(1) स्कुटेलम जो पार्ष्व में स्थित रहता है

(2) ऐल्युरॉन परत जो अग्रस्थ स्थित रहती है

(3) स्कुटेलम जो मध्य में स्थित रहता है

(4) अधिकोरक जो अगुणित होता है तथा पार्ष्व में स्थित रहता है

Q.96 एकबीजपत्री बीज में प्रांकुर तथा मूलांकुर को घेरने वाले आच्छद क्रमषः हैं–

(1) प्रांकुरचोल तथा मूलांकुरचोल

(2) मूलांकुरचोल तथा प्रांकुरचोल

(3) स्कुटेलम तथा अधिकोरक

(4) ऐल्युरॉन परत तथा फलभित्ति

Q.97 परिभ्रूणपोषी बीज है–

(1) अरण्डी, सूर्यमुखी (2) काली मिर्च, चुकन्दर

(3) मक्का, चुकन्दर (4) जौ, मक्का

Q.98 आवृत्तबीजी में, यदि भ्रूणपोष में गुणसूत्रों की संख्या 30 है, बीजांडकाय में गुणसूत्रों की संख्या क्या होगी–

(1) 15 (2) 30 (3) 20 (4) 40

Q.99 घास में केवल एक ढालाकार आकृति के बीजपत्र को क्या कहते हैं?

(1) टीगेलम (2) स्कुटेलम

(3) प्रांकुरचोल (4) इनमें से कोई नहीं

Q.100 बीजपत्रोपरिक में प्ररोह शीर्ष तथा कुछ आदि कालिक (आद्य) पर्ण होते हैं, जो एक खोखला पार्ष्वीय संरचना को घेरते हैं जिसे कहते हैं –

(1) प्राकुर चोल (2) मूलांकुरचोल

(3) स्कुटैल्म (4) टीजैलम

Q.101 बीजपत्रों के नीचे का बेलनाकार भाग ...A... है जो ...B... पर समाप्त होता है और इसके सिरे को ...C... A, B कहा जाता है और यहाँ C का तात्पर्य है

(1) A –मूलांकुर, B–बीजपत्राधार, C–मूल गोप

(2) A – मूल गोप, B – मूलांकुर, C– बीजपत्राधार

(3) A – बीजपत्राधार, B – मूल गोप, C– मूलांकुर

(4) A – बीजपत्राधार, B– मूलांकुर, C– मूल गोप

असंगजनन तथा बहुभ्रूणता (APOMIXIS AND POLYEMBRYONY)

Q.102 बिना निषेचन के बीज का उत्पादन कहलाता है–

(1) अनिषेकफलन (2) अनिषेकजनन

(3) असंगजनन (4) अपयुग्मन

Q.103 निम्न में से कौन एक अनिषेक फल है ?

(1) केला (2) सेब

(3) स्ट्रॉबेरी (4) अनार

Q.104 असंगजनन में कोशिका विभाजन किस प्रकार होता है?

(1) न्यूनीकरणात्मक (2) अर्धसूत्रीविभाजन

(3) दोनों (1) और (2) (4) समसूत्रण

Q.105 बीजों के अंकुरण के लिए उपयुक्त पर्यावरणीय परिस्थितियाँ हैं :-

(1) पर्याप्त नमी, प्रकाश, अवायवीय स्थिति

(2) पर्याप्त नमी, कम तापमान, प्रकाश

(3) पर्याप्त नमी, उपयुक्त तापमान और ऑक्सीजन

(4) प्रकाश, जल, ऑक्सीजन की अनुपस्थिति

Q.106 सर्वाधिक ह्रासित युग्मकोद्भिद किसका होता है –

(1) ब्रायोफाइट का (2) टेरिडोफाइट्स का

(3) जिम्नोस्पर्म का (4) एन्जियोस्पर्म का

Q.107 कई पादपों में लैंगिक जनन, अलैंगिक जनन द्वारा प्रतिस्थापित हो जाता है, इसे कहते हैं –

(1) अर्ध संलयन

(2) एपोस्पोरी

(3) ऐपोमिक्सिस (असंगजनन)

(4) उभय मिश्रण

Q.108 पुनरावृत पुनरावृत स्वपरागण से उत्पन्न पीढ़ी बनाती है।

(1) नई स्पीषीज

(2) उत्तम संतति

(3) अंतः प्रजनन अवनमन

(4) दुर्बल लक्षणों का विलोपन

Q.109 यद्यपि अधिकतर प्रजातियों में फल निषेचन का परिणाम होते हैं परन्तु यहाँ ऐसी प्रजातियां भी है जिसमें बिना निषेचन के फल विकसित होते हैं। इस प्रक्रम को क्या कहते हैं।

(1) अनिषेकफलन (2) अनिषेकजनन

(3) उभयमिश्रण (4) असंगजनन

ANSWER KEY

TOPIC WISE QUESTIONS

Que.	**1**	**2**	**3**	**4**	**5**	**6**	**7**	**8**	**9**	**10**	**11**	**12**	**13**	**14**	**15**
Ans.	4	3	2	2	2	3	1	2	1	3	2	2	1	1	2
Que.	**16**	**17**	**18**	**19**	**20**	**21**	**22**	**23**	**24**	**25**	**26**	**27**	**28**	**29**	**30**
Ans.	2	3	2	2	1	2	3	1	3	4	1	3	2	4	4
Que.	**31**	**32**	**33**	**34**	**35**	**36**	**37**	**38**	**39**	**40**	**41**	**42**	**43**	**44**	**45**
Ans.	2	3	1	1	4	3	4	1	1	1	2	3	1	3	4
Que.	**46**	**47**	**48**	**49**	**50**	**51**	**52**	**53**	**54**	**55**	**56**	**57**	**58**	**59**	**60**
Ans.	2	2	4	2	2	4	3	1	3	1	4	2	2	1	3
Que.	**61**	**62**	**63**	**64**	**65**	**66**	**67**	**68**	**69**	**70**	**71**	**72**	**73**	**74**	**75**
Ans.	4	4	4	4	3	3	3	2	4	1	1	1	1	3	3
Que.	**76**	**77**	**78**	**79**	**80**	**81**	**82**	**83**	**84**	**85**	**86**	**87**	**88**	**89**	**90**
Ans.	2	4	4	1	1	3	1	4	1	4	1	1	1	2	2
Que.	**91**	**92**	**93**	**94**	**95**	**96**	**97**	**98**	**99**	**100**	**101**	**102**	**103**	**104**	**105**
Ans.	3	1	3	3	1	1	2	3	2	1	4	3	1	4	3
Que.	**106**	**107**	**108**	**109**											
Ans.	4	3	3	1											

Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR